नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

मानवाधिकार के प्रति जागरूकता आवश्यक – प्रो. एम. एल. कासारे

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग में मानवाधिकार कार्यशाला

वर्धा, 25 जनवरी 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग की ओर से मानवाधिकार पर आयोजित कार्यशाला में मानवाधिकार की संस्थाएं विषय पर व्याख्यान में डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के पूर्व संस्थापक निदेशक प्रो.एम.एल.कासारे ने कहा कि मानवाधिकार का महत्व समझाने हेतु मानवाधिकार के प्रति जागरूकता आवश्यक है। भारतीय संविधान में

हमें मानवाधिकार के अनेक अधिकार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य और विस्थापन के लिए मानवाधिकार का अधिक प्रयोग होता है।

एक दिवसीय कार्यशाला का उदघाटन का उदघाटन प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार, 25 जनवरी को गालिब सभागार में किया गया। इस अवसर पर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यशाला की रूपरेखा प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने रखी। अध्यक्षीय उदबोधन में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि बुद्ध ने चरित भिक्कवे आदि चारिकमं... का संदेश दिया था और उनके विचारों का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ा। हमारे भीतर संवेदनशीलता है और हम देश, समाज और मित्र की अच्छाई के प्रति सोचते हैं। कार्यशाला में विभिन्न सत्रों में मानवाधिकार से जुड़े विषयों पर विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार ने किया तथा आभार ज्ञापन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धूपनाथ प्रसाद ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, डॉ. हरीष हुनगुंद, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली, डॉ. मनोज राय, डॉ. अमित राय, डॉ. उमेश कुमार सिंह सहित अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।